नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

आंतरिक सुरक्षा पर सतर्कता जरूरी

नेपाल के रास्ते भारत में तीन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकवादियों के घुस आने की खबर ने एक बार फिर यह याद दिला दिया है कि आंतरिक सुरक्षा को लेकर हमें कभी भी ढिलाई नहीं बरतनी चाहिए. बिहार पुलिस मुख्यालय ने इस बाबत बड़ा अलर्ट जारी किया है और सीमावर्ती जिलों में विशेष निगरानी बढ़ा दी गई है. इन तीन आतंकवादियों–हसनैन अली, आदिल हुसैन और मोहम्मद उस्मान–की तस्वीरें और पासपोर्ट से संबंधित जानकारी सार्वजनिक कर दी गई है, ताकि आम लोग भी सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस तक पहुंचा सकें.

भारत में अगले दो महीने त्योहारों और आयोजनों से भरे हुए हैं. गणेशोत्सव, दुर्गापूजा, दशहरा, दीपावली से लेकर छठ महापर्व तक लाखों की संख्या में लोग सड़कों और पूजा पंडालों में एकत्रित होंगे. ऐसे समय में किसी भी आतंकी साजिश का खतरा गंभीर हो सकता है. बिहार जैसे राज्य में यह खतरा और भी ज्यादा है, क्योंकि नवंबर में वहां विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं. चुनावी रैलियां और भीड़भाड़ वाले कार्यक्रम आतंकियों के लिए संभावित निशाना हो सकते हैं. इस पृष्ठभूमि में बिहार पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों का कदम सराहनीय है कि उन्होंने समय रहते अलर्ट जारी किया और खोजी अभियान शुरू किया, लेकिन केवल बिहार ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश, झारखंड, बंगाल और दिल्ली जैसे राज्यों को भी पूरी तरह सतर्क रहना होगा. नेपाल-भारत सीमा खुली हुई है और इसका फायदा पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी संगठन लंबे समय से उठाते रहे हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की आंतरिक सुरक्षा नीति की एक बड़ी खासियत यह रही है कि पिछले 11 वर्षों में जम्मू-कश्मीर को छोड़कर देश के किसी भी हिस्से में बड़ी आतंकी घटना नहीं हुई है. चाहे यह खुफिया एजेंसियों की बेहतर समन्वय व्यवस्था हो, या सुरक्षा तंत्र का आधुनिकीकरण, मोदी सरकार ने हर स्तर पर आतंकवाद को काबू में रखने में सफलता हासिल की है. जिस भारत में कभी दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद जैसे शहरों में सिलसिलेवार बम धमाकों की खबरें आती थीं, वहां अब दशकों में गिनती की घटनाएं भी नहीं होती. यह उपलब्धि मामूली नहीं है और इसका श्रेय राजनीतिक इच्छाशक्ति और मजबूत सुरक्षा ढांचे को जाता है.

हालांकि, खतरा अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है. आतंकवादी संगठनों की कोशिश रहती है कि भारत के त्योहारों, चुनावों या भीड़भाड़ वाले आयोजनों को निशाना बनाकर देश में अस्थिरता फैलाई जाए. ऐसे में ज़रूरी है कि सुरक्षा एजेंसियां अपने अलर्ट मोड को बनाए रखें और नागरिक भी सजग रहें. सरकार को भी सीमा प्रबंधन पर और अधिक ध्यान देना होगा ताकि नेपाल, बांग्लादेश या म्यांमार जैसे रास्तों से घुसपैठ की संभावना न्यूनतम हो सके.

भारत की एकता और लोकतांत्रिक शक्ति को आतंकवादी कभी कमजोर नहीं कर सकते. लेकिन यह तभी संभव है जब सरकार, सुरक्षा तंत्र और आम जनता तीनों मिलकर चौकसी बरतें. बिहार से आया यह अलर्ट पूरे देश के लिए चेतावनी है कि सतर्क रहना ही सुरक्षा की पहली शर्त है. यह संतोषजनक है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आंतरिक सुरक्षा के मामले में हमेशा अलर्ट पर रहती है, लेकिन पहलगाम घटना के बाद हमें और अधिक सतर्कता रखनी होगी. खासतौर पर त्यौहारों के सीजन को देखते हुए.

गहन अंतरिक्ष में धातुओं और ऊर्जा की खोज

गहन अंतरिक्ष अनुसंधान की ओर कदम बढ़ाकर देश ने दूरदर्शिता का परिचय दिया है. मानवता के भविष्य को उन्नत और उज्वल बनाने तथा अंतरिक्ष के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने के लिए यह अनिवार्य है. प्रधानमंत्री की मंशा है कि 'डीप स्पेस एक्सप्लोरेशन मिशन' की बड़े स्तर पर तैयारी हो और इससे संबंधित सभी क्षेत्रों में शोध के साथ-साथ प्रायोगिक एवं व्यावहारिक कार्य भी किए जाएं. इसमें इसरो के साथ-साथ निजी कंपनियों, अंतरिक्ष क्षेत्र में काम कर रहे स्टार्टअप्स और विदेशी एजेंसियों का भी यथोचित सहयोग लिया जाए. पृथ्वी पर सोना, प्लैटिनम, निकल, कोबाल्ट जैसी धातुएं लगातार खनन के चलते सीमित मात्रा में शेष रह गई हैं. भविष्य में इनकी मांग और बढ़ेगी, तब इनकी उपलब्धता कठिन होगी.

अंतरग्रहीय यात्रा के लिए आयन इंजन, नई प्रोपल्शन तकनीकों, पुन: प्रयोग योग्य प्रक्षेपण यानों और स्पेस डॉकिंग तकनीक के व्यावहारिक उपयोग में सफलता प्राप्त कर चुका है. हाल ही में गगनयान मिशन से संबंधित एयर ड्रॉप टेस्ट में भी कामयाबी मिली है. अगले पांच वर्षों में भारत का अपना स्पेस स्टेशन सुदूर अंतरिक्ष अन्वेषण और प्रयोग हेतु सक्रिय होगा. निस्संदेह, इसरो और हमारे वैज्ञानिकों के पास इस कार्य की पर्याप्त क्षमता और प्रतिभा है.

दूसरी ओर अंतरिक्ष में मौजूद क्षुद्रग्रहों में ये धातुएं प्रचुर मात्रा में पाई जाती हैं. कई क्षुद्रग्रहों की संरचना लगभग पूरी तरह लोहे-निकल अथवा इसी प्रकार की धातुओं से बनी होती है. ऐसे में समझा जा सकता है कि वे पृथ्वी के लिए कितने जीवनदायी सिद्ध हो सकते हैं, बशर्ते हम उन तक पहुंचकर खनन कर सकें. क्षुद्रग्रहों और अन्य पिंडों से खनिज प्राप्त कर पृथ्वी पर बढ़ती आबादी और उद्योगों की आवश्यकताएं पूरी की जा सकती हैं. इस प्रकार, अंतरिक्ष अन्वेषण पृथ्वी के संसाधनों पर दबाव कम करेगा और मानवता को टिकाऊ विकल्प प्रदान करेगा. इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए डीप स्पेस एक्सप्लोरेशन आवश्यक है.

क्षुद्रग्रहों का पता लगाने, वहां पहुंचने, खनन करने और संसाधन लाने के लिए लंबी दूरी तक जाने वाली तकनीक चाहिए. यही नहीं, अंतरिक्ष या अन्य ग्रहों पर जीवन खोजने, अथवा चांद और मंगल पर कुछ समय तक निवास हेतु आवश्यक तकनीक विकसित करने के लिए भी गहन अंतरिक्ष का अध्ययन अपरिहार्य है. आज पृथ्वी ऊर्जा संकट, जल संकट और खनिज संसाधनों की कमी का सामना कर रही है. यह अध्ययन इन समस्याओं के स्थाई समाधान में सहायक होगा. चंद्रमा पर हीलियम-3 नामक तत्व बहुतायत में उपलब्ध है, जो भविष्य में नाभिकीय संलयन हेतु ऊर्जा का मुख्य आधार बन सकता है.

विभिन्न स्पेस एजेंसियां सक्रिय: चंद्रमा पर प्रसंस्कृत यह ऊर्जा, यदि पृथ्वी पर पहुंच सके, तो यह असीमित और पूरी तरह स्वच्छ ऊर्जा का स्रोत सिद्ध होगी. अंतरिक्ष आधारित सौर ऊर्जा संग्रह प्रणाली विकसित हो जाने के बाद पृथ्वी को प्रदूषणमुक्त ऊर्जा उपलब्ध होगी. इसी प्रकार, चंद्रमा और मंगल पर मौजूद बर्फ के भंडार से जल को ईंधन और ऊर्जा में परिवर्तित कर उसका दोहरा उपयोग संभव होगा. इस प्रकार, गहन अंतरिक्ष अन्वेषण से धातुएं, खनिज और जल प्राप्त कर पृथ्वी के संसाधनों की भारी बचत हो सकती है. अमेरिका, जापान, चीन और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसियां इस दिशा में सक्रिय हैं. अमेरिका और जापान दो वर्ष पहले क्षुद्रग्रहों से नमूने लाने में सफल हो चुके हैं. नासा मंगल की मिट्टी-पत्थर का अध्ययन कर नमूने लाने की तैयारी में है और उसका एक मिशन बृहस्पति के वातावरण तथा चुंबकीय क्षेत्र का अध्ययन कर रहा है. आर्टेमिस कार्यक्रम के अंतर्गत नासा 2030 तक चंद्रमा पर मानवीय बेस स्थापित करने की योजना बना रहा है.

-संजय श्रीवास्तव

मध्य क्षेत्र की डायरी

शहरी क्षेत्रों में 1100 डेयरियां

दिलीप झा

भोपाल की राजनीति के कारण शहर की सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा है. हादसे हो रहे हैं. लोग परेशान हैं. नगर निगम की कार्यशैली पर सवाल उठाए जा रहे हैं कि आखिर 1100 डेयरियों को शहर के बाहर कब शिफ्ट किया जाएगा. हैरानी की बात है कि निगम ने 1100 डेयरियों में से केवल 775 को शहर से बाहर करने के लिए चिन्हित किया था. डेढ़ साल पहले जनवरी 2024 में इसके लिए योजना बनाई गई लेकिन आजतक उस पर काम नहीं हो सका है. आलम यह है कि शहर के कई क्षेत्रों में शासकीय भूमि पर कब्जा कर डेयरियों का संचालन हो रहा है लेकिन अधिकारियों को इसकी जानकारी तक नहीं है. है न विचित्र बात. इस बात से इंकार नहीं

किया जा सकता कि निगम अधिकारियों की मिलीभगत और उदासीनता के कारण शहर की सड़कें मवेशी मुक्त नहीं हो पा रही है. वहीं, नित्य सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा इस कदर बढ़ रहा है कि वाहन चालक हादसे के शिकार हो रहे हैं लेकिन निगम को इसकी कोई चिंता नहीं है. नगर निगम भोपाल के अपर आयुक्त हर्षित तिवारी कहते हैं कि डेयरियों को शहर के बाहर शिफ्ट करने की तैयारियां शुरू हो गई है लेकिन इसके लिए अभी तक बजट प्राप्त नहीं हुआ है. जाहिर है बिना बजट कोई योजना कैसे लागू होगी. वजह जो भी हो लेकिन शहर के सड़कों पर से मवेशियों को हटाए बिना यातायात व्यवस्था को न तो सुचारू बनाया जा सकता और न ही हादसों को रोका जा सकता है.

होई हैं वहीं जो राम रची राखा: प्रदेश में मानसून सत्र के दौरान सरकार विपक्ष के निशाने पर रही तो कोई बात नहीं है लेकिन जब सरकार के अपने विधायक का दर्द छलक जाए तो जाहिर है दाल में कुछ तो काला है.

विधानसभा सभा में सागर जिले की देवरी विधानसभा से भाजपा विधायक बृज बिहारी पटेरिया ने एक चौपाई के जरिए अपनी ही पार्टी के मंत्री की कार्रवाई पर सवाल उठाकर सबको चौका दिया था. देवरी नगरपालिका अध्यक्ष नेहा अलकेश जैन पर चार आरोप थे जिनमें तीन में दोषी पाए जाने पर सरकार ने गत दिनों पद से हटा दिया.

पटेरिया ने मानसून सत्र के सदन में आरोप लगाया था कि सागर की देवरी नगरपालिका अध्यक्ष पर भ्रष्टाचार साबित हो गया है. सबसे हैरानी की बात यह है कि कोर्ट भी नगर परिषद अध्यक्ष को हटाने के लिए कह चुका है. पटेरिया का दर्द छलका कि पार्टी के अनुशासन का दंड भी मेरे ऊपर है लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कहा कि पीछे बंधे हैं हाथ, मुंह पर पड़े हैं ताले, किससे कहें-कैसे कहें कि पैर का कांटा निकाल दो. इसके बाद नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पटेरिया को आश्वासन दिया कि मामले की जांच में अनियमितता मिली है. उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है. इसके बाद सरकार ने कार्रवाई करते हुए पद से हटा दिया है.

यासीन उर्फ मछली पर किसका हाथ

एमडी ड्रग्स के तस्कर यासीन अहमद उर्फ मछली ने लाखों युवाओं को नशे की दलदल में धकेल दिया है. इसके पीछे केवल मछली नहीं है. पूरे प्रदेश में वर्षों से एमडी ड्रग्स सप्लाई करने वाले गिरोह सक्रिय है और पुलिस को इसकी जानकारी नहीं है तो यह पुलिस की कार्यशैली पर बड़ा सवाल है. यासीन का एक साथी पूर्व कांग्रेस पार्षद के बेटे अंशुल सिंह उर्फ भूरी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है कि क्योंकि अंशुल और यासीन के बीच एमडी ड्रग्स के लेनदेन के सबूत मिले थे. यासीन से जुड़े चार युवकों को क्राइम ब्रांच एमडी ड्रग्स की तस्करी के मामले में पहले ही गिरफ्तार कर चुकी हैं? .अब इस मसले पर कांग्रेस ने सरकारको विधानसभा में घेरना शुरू कर दिया है कि यासीन उर्फ मछली पर शिकंजा तो कसा गया. एमडी ड्रग्स का मगरमच्छ कब गिरफ्तार होगा. सरकार की तरफ से मंत्री नरेंद्र शिवाजी राव पटेल का जवाब आता है कि किसी को बख्शा नहीं जाएगा. इस बीच भाजपा ने यासीन उर्फ मछली के परिवार से जुड़े शहरयार अहमद से अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष का पद छोड़ने के लिए कहते हुए उनसे इस्तीफा ले लिया है. जिला अध्यक्ष रवींद्र यती ने शहरयार को इस्तीफा देने के निर्देश दिए थे.

क्या टैरिफ का जवाब आत्मनिर्भरता है

वैश्विक अर्थव्यवस्था के वर्तमान परिदृश्य में कोई भी देश आत्मनिर्भर रहने का दावा इसलिए नहीं कर सकता क्योंकि आज हर व्यक्ति की आवश्यकताएं बढ़ गई हैं और उपभोक्तावाद चरम पर है. जरूरतें सीमित रखने की सीख देने वाले गांधीवादी अर्थशास्त्र की ओर कोई लौटना नहीं चाहता. चादर देखकर पैर पसारने वाली सीख अब निरर्थक हो चुकी है. लोग पैर पसारने के लिए लंबी चादर चाहते हैं. कोई मन मारकर जीना नहीं चाहता. मार्केट में जबरदस्त शॉपिंग से मन नहीं भरता तो प्रतिदिन ऑनलाइन शॉपिंग की जाती है. इससे इकोनॉमी गतिशील हुई है. इस समय देश को अमेरिकी टैरिफ से जोर का झटका लगा है. हो सकता है कि चर्चा के बाद अमेरिका टैरिफ को 50 फीसदी से घटाकर 25 फीसदी पर ले आए. यूके पर 10 प्र.श., ईयू पर 15 प्र.श., इंडोनेशिया पर 19 प्र.श. और वियतनाम पर 20 प्र.श. टैरिफ लगा है. भारत ने अपना कृषि व डेयरी क्षेत्र अमेरिका के लिए न खोलकर किसानों की हितरक्षा की है. देश के छोटे किसानों के लिए दुधारू पशुपालन जीवनयापन का साधन है. अमेरिका का डेयरी सेक्टर भारत से प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता लेकिन अमेरिका का कॉरपोरेट सेक्टर ऐसी साजिश कर सकता है कि

अमेरिका, चीन व यूरोपीय यूनियन ने कृषि को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी पर ध्यान दिया है. भारत के बासमती चावल और चाय उत्पादकों ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) का शुरू म में विरोध किया लेकिन अब वह अपने फैसले पर पछता रहे हैं.

10 वर्ष तक बेहद सस्ते दाम पर अपने डेयरी प्रोडक्ट भारत में खपाकर यहां के किसानों का मनोबल तोड़ दे. दूसरी ओर भारत के लिए दाल और तेल का आयात जरूरी है. अमेरिकी टैरिफ व प्रतिबंध का मुकाबला करना कठिन है लेकिन भारत के पास कुछ विकल्प भी हैं. भारत ने हाल ही यूके के साथ ड्यूटी फ्री कृषि सामग्री निर्यात को लेकर व्यापार समझौता किया है. टैरिफ बढ़ाकर अमेरिका खुद का भी नुकसान कर रहा है. उसके यहां फलों व सब्जियों के दाम 35 प्रतिशत बढ़ गए हैं. टैरिफ संकट से निपटने के लिए भारत को अपने नियमों में सुधार करना होगा.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

करो अमित शाह पर पूरा ऐतबार जेल से नहीं चला सकते सरकार

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को बिल्कुल मंजूर नहीं है कि कोई नेता जेल से सरकार चलाए. अमित शाह चाहें तो शाहजहां का उदाहरण दे सकते हैं जिसका सारा पावर जेल जाते ही खत्म हो गया था. औरंगजेब ने अपने अब्बा का डब्बा गोल कर कैदखाने में डाल दिया था. वहां खिड़की से ताजमहल देखो और अपनी बदकिस्मती पर आंसू बहाओ.

हमने कहा, शाहजहां मजबूर था लेकिन वर्तमान नेताओं की बात अलग है. लालूप्रसाद यादव ने जेल में रहकर भी सरकार चलाई थी और अपनी अनपढ़ पत्नी राबड़ी देवी को सीएम मनोनीत कर दिया था. इसी तरह जेल जाने से अरविंद केजरीवाल का रुतबा जरा भी कम नहीं हुआ था. उन्होंने सत्ता की आतिषबाजी का शो जारी रखने के लिए आतिषी मर्लेना को सीएम बनवा दिया था. टीवी के समान ही सत्ता का रिमोट कंट्रोल रहता है. सोनिया गांधी ने खुद पद पर न रहते हुए मनमोहन सरकार को इसी तरीके से चलाया था.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, अमित शाह नहीं चाहते कि

जेल का कैदी बनने के बाद कोई मुख्यमंत्री वहां अपने मंत्रियों या सचिवों को बुलाकर उन्हें निर्देश दे और नीतिगत फैसले करे. जब वह कैदी है तो अपनी औकात में रहे. 30 दिन तक बिना जमानत जेल में सड़े और फिर पद के लिए अयोग्य करार दे दिया जाए. इस तरह के कानून का विपक्ष विरोध कर रहा है. ऐसी स्थिति आई तो पुराने आरोपों की फाइल निकालकर अपोजीशन के सीएम अंदर कर दिए जाएंगे. महीना भर अंदर रहे तो गया पद! ऐसे में ममता, केजरीवाल जैसे नेताओं का क्या होगा ? वैसे अमित शाह का कहना है कि इस कानून के दायरे में प्रधानमंत्री पद को भी लाया गया है, लेकिन विपक्ष इसे दिखावा मानते हैं क्योंकि किंग केन डू नो रॉन्ग!

हमने कहा, अमित शाह को कौन बताए कि जेल जाने से किसी का दबदबा खत्म नहीं होता. चार्ल्स शोभराज जैसा बिकिनी किलर तिहाड़ जेल में अपनी हुकूमत चलाता था. इसी तरह सुकेश चंद्रशेखर जैसा ठग जेल में रहकर मौज-मस्ती करता था और वहां फिल्मी हीरोइनों को बुलवा लेता था. जेल का सख्त कानून ऐसे लोगों पर लागू नहीं होता. दूसरी ओर सारे मंत्री सिक्योरिटी के कैदी रहते हैं. वे मनचाहे तरीके से कहीं जा नहीं सकते किसी से मिल भी नहीं सकते.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12007

-डॉ. सागर खादीवाला

1		2		3	4	■	5
	■		■	6		7	
8	9		10	■	11		
■	12			■			
13		■	■	14	■	15	■
	■	16	17		■	18	19
20	21			■	22		
23			■	24			■

ऊपर से नीचे
1. खोज, चाह (उर्दू) 2. समान होने का भाव, बराबरी 3. वायु, समीर (उर्दू) 4. खिसकना 5. पहन कर उतारे हुए जीर्ण कपड़े 7. दानशील, दान देने वाला 9. व्यर्थ बोलना, बकवास करना 10. अंग्रेजी वर्ष का पांचवां महीना 13. फैक्ट्री, अधिक मात्रा में वस्तुएं तैयार करने का स्थान 14. पूंछ 15. ईश्वर 16. चीजें खरीदकर बेचने का काम 17. किसी भी तरह की सवारी, विमान (सं.) 19. उस समय, इस कारण 21. नगीना, संख्या, अदद 22. जिस समय, जिस वक्त

बाएं से दाएं
1. बरबाद, सर्वथा नष्ट 6. दंगा-फसाद, भीषण या विकट दुर्घटना 8. ओस, तुषार (उर्दू) 11. पंक्ति (उर्दू) 12. कातने का काम 13. एक आंख का, एकाक्ष 16. कसरत, बल बढ़ाने के लिए किया जाने वाला शारीरिक परिश्रम 18. बीता हुआ, दशा, अवस्था 20. खाना और पीना, खाने-पीने का ढंग 22. उत्तर, मुकाबले की चीज, नौकरी से हटाने की आज्ञा 23. नगर संबंधी, नगर-निवासियों से संबंध रखने वाला 24. पराया धन अनुचित रूप से हजम करना (उर्दू)

Solution 12006

न	ग	र	पा	ल	■	प	ल
वा	म	न	क	■	भ	ती	जा
म	■	क	■	च	■	ला	ना
त	ल	ना	■	रि	पु	■	■
■	ड़	■	प	त्र	का	रि	ता
ल	ख	ल	खा	■	र	क्त	प
स	ड़ा	■	र	ट	ना	■	मा
■	ना	ट	ना	■	■	दा	न

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में विशेष परिश्रम करना होगा, वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग रहेगा, आर्थिक लाभ होगा, व्यर्थ वाद विवाद रहेगा, मित्र के कारण कार्यो में बाधाओं का सामना करना पडेगा, वर्ष के मध्य में मतभेद रहेगा, पारिवारिक परेशानी में वृद्धि होगी, मान सम्मान के प्रति सतर्क रहें, स्वजनों से मतभेद होगा, शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी, वर्ष के अन्त में शासन सत्ता का लाभ होगा, व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को पद का लाभ मिलेगा, सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को शत्रु वर्ग से कष्ट होगा, चिन्ता रहेगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को स्थिति में सुधार होगा, शिक्षा में सफलता मिलेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को कार्यक्षेत्र में रूचि रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को सहयोग रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट होगा, मानसिक चिन्ता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, मिलनसार, कानून न्याय के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. भूमि भवन मकान आदि का सुख रहेगा. नौकरी में विशेष उन्नति होगी. खर्चीले स्वभाव का होगा. जीवन में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड सकता है पर वह बुद्धिमत्ता से उन पर विजय प्राप्त करेगा.

मेष- विद्यार्थी को विदेश जाने का अवसर मिल सकता है. समझादारी में लाभदायक योजना शुरू हो सकती है. आर्थिक क्षेत्र में सुधार होगा.

वृषभ- प्रेम प्रसंग में सफलता मिलने का योग है. धैर्य रखकर कार्य करने से लाभ होगा. आपके अधिकार क्षेत्र का विस्तार होगा. हितकारी व लाभदायक सूचना प्राप्त होगी.

मिथुन- कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा. प्रियजनों से मुलाकात सुखद रहेगी. स्त्री जाति की सलाह उपयोगी रहेगी. अतिथि आगमन का योग है.

कर्क- अपने ही लोग आपके सीधेपन का लाभ उठायेंगे. बुजुर्गों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें. अनपेक्षित आगन्तुकों से धन व्यय होगा. परिश्रम सार्थक होगा.

सिंह- घर और आफिस में तालमेल बनाना मुश्किल होगा. मेहनत के अनुरूप लाभ में कमी होगी. इष्ट मित्रों का कुटुम्बियों से सहयोग रहेगा. यात्रा आदि में व्यय होगा.

कन्या- अचानक लाभ में कमी आने से खिन्नता रहेगी. बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे. आलस्य को त्यागें. परिश्रम अधिक रहेगा.

तुला- प्रियजनों के साथ समारोह में शामिल होने का अवसरमिलेगा. समाज में सम्मान मिलेगा. किसी विशिष्ट व्यक्ति के सहयोग से मन में हर्ष होगा.

वृश्चिक- रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों से भेंट होगी. कोर्ट कचहरी आदि से संबंधित कार्यों में यथेष्ट सफलता मिलेगी. कार्य की समस्या हल होगी. उत्साह बना रहेगा.

धनु- जरूरत मन्दों की मदद करके आप खुश होगें. अधीनस्थें से विवाद की अशंका है. विद्या के क्षेत्र में उन्नति का योग है. मानसिक प्रसन्नता होगी.

मकर- किसी से अचानक मुलाकात रिश्ते में बदल सकती है. आय में वृद्धि होगी. मित्रों एवं अपने निकट व्यक्तियों के सहयोग से आपको मनचाही वस्तु मिलेगी.

कुम्भ- मांगलिक कार्य में शामिल होकर प्रसन्न होंगे. विरोधियों से सावधान रहें. पारिवारिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. आर्थिक एवं व्यापारिक लाभ मिलेगा.

मीन- विवादास्पद मामले सुलझाने का प्रयास करेंगे. लेने देन में सावधानी रखें. आपकी चिन्ताओं व परेशानियों का निवारण होगा. यश प्राप्त होने का योग है.

उदयकालीन ग्रह चाल

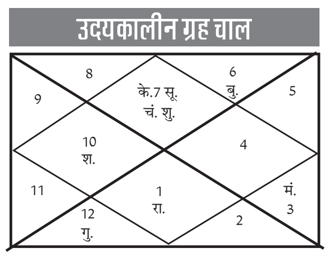

पंचांग

रा.मि. 08 संवत् 2082 भाद्रपद शुक्ल सप्तमीं शनिवासरे रात 7/58, विशाखा नक्षत्रे दिन 1/26, ऐन्द्र योगे दिन 3/9, गर करणे सू.उ. 5/42 सू.अ. 6/18, चन्द्रचार तुला प्रात: 6/47 से वृश्चिक, पर्व- संतान सप्तमीं व्रत, शु.रा. 8,10,11,2,3,6 अ.रा. 9,12,1,4,5,7 शुभांक- 0,3,7.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद शुक्ल सप्तमीं को विशाखा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीतल, गुड, खांड, रूई, सूत, गेहूं, जौ, चना, सरसों, तिल, तेल के भावों में तेजी होगी. वायदा विचार आज शेयर बाजारों में पिछले रूख पर व्यापार करना लाभप्रद रहेगा. भाग्यांक 2859 है.

SUDOKU 7139

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकू 7138

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1